

H E N R Y H Ö E K

WEGE UND
WEGGENOSSEN



BERGVERLAG RUDOLF KÖHLER
MÜNCHEN

INHALTSVERZEICHNIS

| | |
|-------------------------------------|-----|
| Der Neuauflage zum Geleit | 7 |
| Credo | 9 |
| Kindheits-Wälder | 13 |
| Mons Albanns | 16 |
| Fram | 21 |
| Treibjagd | 28 |
| Fing | 35 |
| Windgälle | 40 |
| Konstantinopel | 48 |
| Ballonfahrt | 55 |
| Mein Garten | 62 |
| All Heil! | 74 |
| Wintermärchen | 80 |
| Die Enge der Meere | 86 |
| Frau Glatt | 98 |
| Matterhorn | 108 |
| Luftreise | 115 |
| Nächtliche Schifahrt | 121 |
| Tronsbu | 129 |
| Das große ſenntier | 135 |
| Vorfrühling | 141 |
| Snasähoegarna | 147 |
| Korfn | 157 |
| Die Gans | 165 |
| Der Doktor | 170 |
| Die Mula | 175 |
| Cerro Tacora | 184 |
| Heimkehr ! : | 192 |
| ... Et Finis | 203 |
| Lied der Weggenossen | 208 |